वेद विमर्श

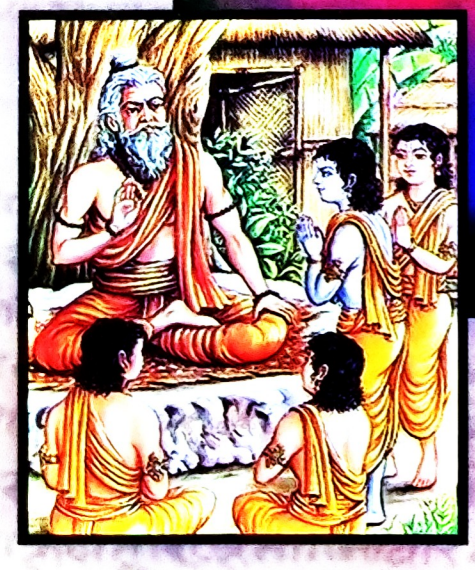

डॉ० किरण त्रिपाठी

Scanned with ACE Scanner

निर्मल जन मन सो मोहि पावा
कपट छल छिद्र न मोहि सोहावा

"मंजिल पर पहुँचना है तो
पहला कदम उठाना ही होगा-
चलो- अचानक चल पड़ों।"

"ईश्वर को देखना चाहते हैं
तब प्रार्थना की तीव्रता और
आस्था की चरम चाहिए
प्रार्थना सच्ची हो तब समस्टिगत
चैतन्यांश मन चाहे आकार
में ईश्वर का रूप ले लेगा।"

JP
Janaki Prakashan
Publishers & Distributors
Ashok Raj Path, Chauhatta
Patna-800 004 (Bihar)
Mob.: 09430246278, 09334062206
Ph.: 0612-2355310 (R)
www.janakiprakashan.com
e-mail : janakiprakashan@gmail.com

ISBN– 978-93-84767-25-9

PATSAN GRAPHICS, 09334117729

Scanned with ACE Scanner